मनुस्मृति से क्या समझते हैं

22/2/2021

July 2019

2019 JUNE

S	M	T	W	T	F	S
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

15 Monday

मनुस्मृति हिन्दु कानून पर सबसे अधिक प्रमाणिक
मनुस्मृति हिन्दु-विधि-की आधारशिला
ग्रंथ है यही पुस्तक हिन्दु-विधि-की आधारशिला
श्री मनुस्मृति में समाज को दो भागों में
बाँटा गया है- आर्य तथा अनार्य। अनार्य
चारो ओर घूमते रहते थे तथा श्मशान भूमि
के निकट जंगल तथा पहाड़ो में रहते थे।
रात के समय गाँवों में नहीं आ सकते थे। फिर
गाँवो में आने के लिए उनका विशेष पोशाक था
उनका कार्य अपराधियों को फाँसी तथा शव को
उठाने का काम उनसे लिया जाता था।

लोगों का जीवन

16 Tuesday

वर्णाश्रम धर्म पर था ब्राह्मणों को समाज में
सबसे ऊँचा स्थान था। ब्राह्मणों को सरल,
गुणवान, और सामान्य जीवन व्यतीत करना
पड़ता था। क्षत्रियों का मुख्य काम युद्ध करना
देश की रक्षा करना। वैश्य लोग कृषि
वाणिज्य तथा पशुपालन का कार्य था।

आर्य लोगों
का सबसे बड़ा भाग शूद्र जाति का था
उनका कार्य, ब्राह्मणों क्षत्रियों तथा वैश्यों को
की सेवा करना, कूड़ा-करकट और
शूद्रों को संस्कार करने की

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

शूद्रों नहीं थी परन्तु वे श्राद्ध कर सकते थे 365
सभी दासों भी इसी श्रेणी में आते थे उनको भी सम्पत्ति रखने का अधिकार नहीं था।

मनुस्मृति में चार आश्रमों का उल्लेख है – ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास। विद्यार्थी को ब्रह्मचारी के रूप में कठोर जीवन व्यतीत करना पड़ता था शिक्षा उपनयन संस्कार के बाद शुरू होता था वेदों, ब्राह्मणों, आरण्यकों, उपनिषदों वेदांगों दर्शनशास्त्र कर्मकाण्डों आदि का शिक्षा दिया जाता था शिक्षा की दो अवधी थी

मनुस्मृति में स्त्रियों को समाज में आदरणीय स्थान प्राप्त नहीं था स्त्रियाँ वेदों का अध्ययन नहीं कर सकती थी, मंत्रों का उच्चारण वर्जित था विवाह के पूर्व कन्या को अपने पिता या भाई के नियंत्रण में रहना पड़ता था तथा विवाह के बाद पति के और पति के मृत्यु के बाद उसे पुत्रों का नियंत्रण में सम्पत्ति पर उनका कोई स्थान नहीं था।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA